LALIT NARAYAN MITHILA UNIVERSITY

Kameshwaranagar, Darbhanga

NOT FOR ISSUE
दिनांक ....

Syllabus of
Three Year Degree Course
of

B. A. (Hindi) Honours

&

General/Subsidiary

Effective From

Session - 2014 - 17

Hindi

All rights reserved] [Price: Rs. 90/-

ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय,

कामेश्वरनगर, दरभंगा

NOT FOR ISSUE

विश्वविद्यालय हिन्दी विभाग

नरगौना पैलेस,

कामेश्वरनगर, दरभंगा 846 008

प्रसंग—अध्यक्ष, छात्र–कल्याण के पत्रांक— छा०क० / 472 —496 / 14, दिनांक 10.06.2014.

विषय— स्नातक हिन्दी प्रतिष्ठा / सामान्य प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय खंड के पाठ्यक्रम के संशोधन / उन्नयन के संबंध में।

उक्त प्रसंग और विषय के आलोक में गठित पाठ्यक्रम संशोधन / उन्नयन समिति द्वारा संशोधित पाठ्यक्रम।

समिति के सदस्यों के हस्ताक्षर :—

1. संकायाध्यक्ष (मानविकी) —डॉ0 वीरेन्द्र कुमार सिंह
2. विभागाध्यक्ष (हिन्दी) — डॉ0 महेश झा
3. विभाग के एक शिक्षक — डॉ0 रामचन्द्र ठाकुर
4. डॉ० मोहित ठाकुर
   अध्यक्ष, हिन्दी–विभाग, मिल्लत कॉलेज
   लहेरियासराय, दरभंगा।
5. डॉ० अमरकान्त कुँवर, हिन्दी–विभाग,
   एम० एल० एस० एम० कॉलेज, दरभंगा
6. बाह्य–विशेषज्ञ (हिन्दी)
   डॉ0 प्रमोद कुमार सिंह, पूर्व प्राचार्य एवं अध्यक्ष,
   विश्वविद्यालय हिंदी विभाग, बी0 आर0 ए0 बिहार
   विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर

त्रिवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम

(बी० ए०, बी० एस–सी०, बी० कॉम0)

प्रतिष्ठा एवं सामान्य वर्गों का हिन्दी–पाठ्यक्रम

पूर्व निर्धारित त्रिवर्षीय स्नातक हिन्दी–पाठ्यक्रम को संशोधित कर प्रस्तुत किया गया है। इस नये त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम की विशेषता यह है कि इसमें बी०ए०, बी०एस०सी० और बी०कॉम0,–इन तीनों कक्षाओं के प्रथम तथा द्वितीय खण्डों में सम्मिलित होनेवाले छात्र–छात्राओं के लिए राष्ट्रभाषा हिन्दी के रूप में हिन्दी–भाषियों के लिए 100 अंकों तथा अहिन्दी–भाषियों के लिए 50 अंकों की हिन्दी का अध्ययन अनिवार्य होगा। 100 अंकवाले राष्ट्रभाषा–पत्र का उत्तीर्णांक 33 तथा 50 अंक वाले का उत्तीर्णांक 17 होगा। स्नातक खण्ड–I तथा II में क्रमशः 33 तथा 17 अंक प्राप्त किये बिना छात्र परीक्षोत्तीर्ण नहीं हो सकेंगे।

बी०ए०, बी०एस–सी०, बी०कॉम० में सामान्य (पास) तथा सम्मान (ऑनर्स) दोनों के पाठ्यक्रम असम्पृक्त / पृथक–पृथक् हैं। सामान्य (पास) तथा प्रतिष्ठा (ऑनर्स) दोनों के पाठ्यक्रम पृथक्–पृथक् – तीन वर्षों के होंगे और प्रत्येक वर्ष के अन्त में उनकी परीक्षा होगी, जिसमें उत्तीर्णता प्राप्त करने के उपरान्त ही उत्तरोत्तर ऊपर के वर्गों में नामांकन हो सकेगा। इस त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम की रूपरेखा इस प्रकार है :–

बी०ए०, बी०एस–सी०, बी०कॉम० खंड–**I** (पार्ट–वन)

बी०ए०, बी०एस–सी०, बी०कॉम० खंड–**II** (पार्ट–टू)

बी०ए०, बी०एस–सी०, बी०कॉम० खंड–**III** (पार्ट–थ्री)

इन तीन खंडों में से केवल खण्ड–I तथा खण्ड–II में ही हिन्दी भाषियों के लिए 100 तथा अहिन्दी भाषियों के लिए 50 अंकों का हिन्दी राष्ट्रभाषा–पत्र अनिवार्य होगा।

वैकल्पिक (ऐच्छिक) भाषा के रूप में हिन्दी लेने वाले सामान्य वर्ग (पास कोर्स) के छात्रों के तीनों खण्डों (पार्ट्स) में हिन्दी का 100–100 अंकों का एक–एक पत्र होगा।

प्रतिष्ठा वर्ग (ऑनर्स कोर्स) के वैसे छात्रों के लिए, जो आनुषंगिक विषय के रूप में हिन्दी लेंगें, केवल प्रथम दो खण्डों (I एवं II) में ही 100–100 अंकों का एक–एक पत्र होगा, खण्ड तीन में नहीं।

हिन्दी–सम्मान (प्रतिष्ठा) में कुल आठ पत्र होंगे जो तीन खण्डों में इस प्रकार विभाजित होंगे–

प्रथम खण्ड (पार्ट–I)– प्रथम एवं द्वितीय पत्र

द्वितीय खण्ड (पार्ट–II)– तृतीय एवं चतुर्थ पत्र

तृतीय खण्ड (पार्ट–III)– पंचम, षष्ठ, सप्तम एवं अष्टम पत्र

पाठ्यक्रम–समिति द्वारा निम्नांकित पाठ्यक्रमों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया है :–

1. स्नातक परीक्षा : अनिवार्य राष्ट्रभाषा–पत्र – 100 अंक बी०ए, बी०एस–सी०, बी० कॉम (हिन्दी भाषियों के लिए)
2. स्नातक परीक्षा : अनिवार्य राष्ट्रभाषा–पत्र – 50 अंक बी०ए, बी०एस–सी०, बी०कॉम (अहिन्दी भाषियों के लिए)
3. वैकल्पिक (ऐच्छिक) विषय के रूप में हिन्दी : सामान्य वर्ग (जेनरल कोर्स) का पाठ्यक्रम।

4. आनुषंगिक विषय (सब्सिडियरी पेपर) के रूप में हिन्दी लेनेवाले सम्मान वर्ग (ऑनर्स कोर्स) के छात्रों का पाठ्यक्रम।

5. हिन्दी–स्नातक–सम्मान पाठ्यक्रम (बी०ए० हिन्दी ऑनर्स)

हिन्दी पत्रों में माननीय कुलाधिपति महोदय के निर्देशानुसार निम्नलिखित बिन्दुओं पर ध्यान देना आवश्यक होगा –

(क) 100 अंकों के प्रश्नपत्रों में 20 अंकों के तथा 50 अंकों के प्रश्नपत्र में 10 अंकों के वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरीय प्रश्नों का अनिवार्य रूप से अध्यापन और प्रश्न चयन होगा।

(ख) 100 अंकों के प्रश्नपत्रों में प्रत्येक में पाँच अंकों के चार लघूत्तरीय प्रश्नों (अधिकतम 100 शब्दों में उत्तर) का अध्यापन और प्रश्न चयन होगा।

(ग) प्रत्येक पत्र की पढ़ाई और उसके प्रश्न–चयन में अधिकाधिक व्यवहार्यता का ध्यान रखा जायगा, ताकि स्नातक परीक्षोत्तीर्ण छात्र प्रतियोगितापरक परीक्षाओं, अन्तर्वीक्षाओं आदि में सहजता से प्रतिभागी बन सकें।

विषय–सामग्री के अनुरूप पत्रों के नाम एवं पाठ्य–विषय निम्न प्रकार से होंगे –

पाठ्यक्रम–स्नातक प्रथम खण्ड – हिन्दी–प्रतिष्ठा

प्रथम पत्र – हिन्दी–साहित्य का इतिहास

द्वितीय पत्र – प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

स्नातक द्वितीय खण्ड – हिन्दी–प्रतिष्ठा

तृतीय पत्र – आधुनिक हिन्दी–काव्य

चतुर्थ पत्र – छायावादोत्तर हिन्दी–काव्य

स्नातक तृतीय खण्ड – हिन्दी–प्रतिष्ठा

पंचम पत्र –हिन्दी–कथा एवं नाट्य साहित्य
षष्ठ पत्र –प्रयोजनमूलक हिन्दी
सप्तम पत्र –संचार–माध्यम–लेखन
अष्टम पत्र –साहित्य–सिद्धान्त एवं हन्दी–आलोचना।

स्नातक–हिन्दी–प्रतिष्ठा – प्रथम खण्ड
प्रथम पत्र – हिन्दी–साहित्य का इतिहास

समय – तीन घंटे पूर्णांक – 100

इस पत्र में अंकों का विभाजन इस प्रकार होगा –

(क) तीन आलोचनात्मक प्रश्न – 3X20 = 60 अंक
(ख) चार लघूत्तरीय प्रश्न – 4X5 = 20 अंक
(ग) वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरीय प्रश्न–10X2 = 20 अंक

पाठ्य विषय :–

हिन्दी–साहित्य के इतिहास–लेखन की परम्परा, इतिहास और आलोचना, हिन्दी–साहित्य के इतिहास में काल–विभाजन और नामकरण की समस्या।

आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल एवं आधुनिक काल की सामाजिक–राजनैतिक – सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, उनके प्रेरक तत्त्व, प्रमुख प्रवृत्तियाँ और विशिष्ट उपलब्धियाँ। प्रमुख रचनाकार और उनके विशिष्ट अवदान। प्रसिद्ध कृतियों का महत्त्व।

हिन्दी–साहित्य के इतिहास में विद्यापति का स्थान और महत्त्व। हिन्दी–साहित्येतिहास में उल्लेख योग्य मिथिला के महत्त्वपूर्ण हिन्दी–साहित्यकार और उनकी देन।

आधुनिक हिन्दी–कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों, यथा, राष्ट्रीय–सांस्कृतिक काव्यधारा, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता का विवेचनात्मक अध्ययन, गद्य की विभिन्न विधाओं का विकास।

इस पत्र के लघूत्तरीय प्रश्न पाठ्य विषय से सम्बन्धित होंगे।

द्वितीय पत्र – प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

समय – तीन घंटे पूर्णांक – 100

अंक–विभाजन :–

(क) तीन आलोचनात्मक प्रश्न – 3X15 = 45 अंक

(ख) एक सप्रसंग व्याख्या का प्रश्न– 1X15 = 15 अंक

(ग) वस्तुनिष्ठ / लघूत्तरीय प्रश्न – 4X5 = 20 अंक

(घ) वस्तुनिष्ठ / अतिलघूत्तरीय प्रश्न–10X2 = 20 अंक

पाठ्य विषय :–

1. विद्यापति पदावली – सं० रामवृक्ष बेनीपुरी, पद–सं०–193 से 217 तक।
2. कबीर वचनावली – सं० अयोध्या सिंह उपाध्याय "हरिऔध" – "नाम" "परिचय" और "प्रेम" शीर्षक के अंतर्गत संकलित साखियाँ।
3. रामचरितमानस – महाकवि तुलसीदास, बालकांड – दोहा सं० 212 से 265 तक।
4. स्वर्ण मंजूषा – सं० नलिन, केसरी कुमार। सूरदास और बिहारी – सम्पूर्ण

लघूत्तरीय प्रश्नोत्तर के लिए 'स्वर्ण मंजूषा' में संकलित रहीम, रसखान और घनानंद–की संपूर्ण रचनाएँ निर्धारित हैं।

स्नातक–हिन्दी–प्रतिष्ठा – द्वितीय खण्ड
तृतीय पत्र – आधुनिक हिन्दी–काव्य

समय – तीन घंटे   पूर्णांक – 100

अंक–विभाजन :–

(क) तीन आलोचनात्मक प्रश्न –3X15 = 45 अंक

(ख) एक सप्रसंग व्याख्या का प्रश्न–1X15 = 15 अंक

(ग) चार लघूत्तरीय प्रश्न –4X5 = 20 अंक

(घ) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरीय प्रश्न–10X2=20 अंक

पाठ्य विषय :–

1. प्रसाद, निराला, पंत, महादेवी की श्रेष्ठ रचनाएँ – सं० वाचस्पति पाठक, लोकभारती प्रकाशन, 15ए, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद–1 (इनमें से प्रसाद एवं निराला की सम्पूर्ण रचनाएँ निर्धारित हैं।)
2. अंधायुग – कवि धर्मवीर भारती

लघूत्तरीय प्रश्न सम्बद्ध पुस्तकों से पूछे जाएँगे।

चतुर्थ पत्र – छायावादोत्तर हिन्दी–काव्य

समय – तीन घंटे | पूर्णांक – 100

अंक–विभाजन –

(क) तीन आलोचनात्मक प्रश्न – 3X15 = 45 अंक

(ख) एक सप्रसंग व्याख्या का प्रश्न – 1X15 = 15 अंक

(ग) वस्तुनिष्ठ / लघूत्तरीय प्रश्न – 4X5 = 20 अंक

(घ) दस वस्तुनिष्ठ / अतिलघूत्तरीय प्रश्न–10X2 = 20 अंक

पाठ्य विषय :–

1. समकालीन हिन्दी – काव्य–संग्रह : सं० डॉ० प्रमोद कुमार सिंह एवं डॉ० सुधा कुमारी, प्रभास प्रकाशन, मोती झील, मुजफ्फरपुर।

   निम्नांकित कवि :–

   मुक्तिबोध, नागार्जुन, केदारनाथ अग्रवाल, भवानी प्रसाद मिश्र = चार कवि

2. नया सप्तक – सम्पादक डॉ० राकेश गुप्त तथा ऋषि कुमार चतुर्वेदी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद – 1

   केवल–अज्ञेय,लक्ष्मीकान्त वर्मा और सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

लघूत्तरीय प्रश्नोत्तर के लिए ऊपर निर्दिष्ट निर्धारित कवियों का ही अध्ययन अपेक्षित होगा।

स्नातक–हिन्दी–प्रतिष्ठा – तृतीय खण्ड

पंचम पत्र – हिन्दी–कथा एवं नाट्य साहित्य

समय – तीन घंटे

पूर्णांक – 100

इस प्रश्न के दो खण्ड हैं। प्रत्येक खंड से कम–से–कम एक और कुल मिलाकर तीन आलोचनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

अंक–विभाजन :–

(क) दोनों खडों से तीन आलोचनात्मक प्रश्न–

3X15=45 अंक

(ख) एक सप्रसंग व्याख्या से संबंधित प्रश्न –

1X15=15 अंक

(ग) चार लघूत्तरीय प्रश्न – 4X5=20 अंक

(घ) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरीय प्रश्न–

10X2=20 अंक

पाठ्य विषय :–

खण्ड (क) उपन्यास

कर्मभूमि – मुंशी प्रेमचन्द, अथवा

दिव्या – यशपाल

खण्ड (ख) नाटक

चंद्रगुप्त मौर्य – जयशंकर प्रसाद, अथवा

सिन्दूर की होली – लक्ष्मी नारायण मिश्र

लघूत्तरीय प्रश्नोत्तर 'तेईस कहानियाँ'–सं० जैनेन्द्र, से संबंधित होंगे।

षष्ठ पत्र – प्रयोजनमूलक हिन्दी

समय – तीन घंटे पूर्णांक – 100

इस प्रश्न–पत्र में तीन खंड होंगे। सभी खंडों से एक–एक प्रश्न के उत्तर अनिवार्य होंगे।

अंक–विभाजन :–

(क) तीन आलोचनात्मक प्रश्न –3X20 = 60 अंक

(ख) चार लघूत्तरीय प्रश्न –4X5 = 20 अंक

(ग) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरीय प्रश्न–10X2=20 अंक

पाठ्य विषय :–

खण्ड (क) हिन्द–भाषा की व्यवस्था और उसका मानकीकरण

- हिन्दी–भाषा का मानकीकरण।
- हिन्दी की शब्द–सम्पदा।
- वैश्वीकरण और हिन्दी।
- हिन्दी के विविध रूपों के अर्थ – राष्ट्रभाषा, राजभाषा, सम्पर्क भाषा, माध्यम भाषा, मातृभाषा, सामान्य हिन्दी।

खण्ड (ख) प्रयोजनमूलक हिन्दी की अवधारणा और उसका अनुप्रयोग

- प्रयोजन मूलक हिन्दी : अभिप्राय और परिव्याप्ति
- राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति
- कार्यालयीय हिन्दी की प्रकृति
- प्रशासनिक हिन्दी और उसकी शब्दावली
- प्रशासनिक पत्राचार और उसके प्रकार

खण्ड (ग) हिन्दी में विज्ञान, तकनीक और अनुवाद का स्वरूप

- वैज्ञानिक, तकनीकी और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में हिन्दी, उनकी शब्दावली, तकनीकी लेखन।
- कम्प्यूटर और हिन्दी।
- अनुवाद की अवधारणा, उसका महत्त्व, विभिन्न सिद्धांत, हिन्दी–अनुवाद के विविध क्षेत्र
- अंग्रेजी से हिन्दी और हिन्दी से अंग्रेजी में अनुवाद (स्वतंत्र प्रश्न के रूप में)

इस पत्र के लघूत्तरीय प्रश्न पाठ्य विषय से सम्बन्धित होंगे।

इस पत्र के अध्ययन और अध्यापन की सुविधा के लिए कुछ सहायक ग्रंथ निम्नांकित हैं –

1. राष्ट्रभाषा हिन्दी : समस्यायें और समाधान–आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा
2. व्यावहारिक हिन्दी – डॉ० भोला नाथ तिवारी
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी – बिनोद गोदरे
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी – दंगल झाल्टे
5. अनुवाद कला – सिद्धांत और प्रयोग – कैलाश चन्द्र भाटिया
6. अनुवाद विज्ञान – डॉ० भोलानाथ तिवारी।
7. कम्प्यूटर और पुस्तकालय – डॉ० पाण्डेय एस० के० शर्मा, ग्रंथ अकादमी, नई दिल्ली।

स्नातक हिन्दी–प्रतिष्ठा

सप्तम पत्र – संचार–माध्यम–लेखन

समय – तीन घंटे पूर्णांक – 100

अंक–विभाजन :–

(क) तीन आलोचनात्मक प्रश्न – 3X20 = 60 अंक

(ख) चार लघूत्तरीय प्रश्न – 4X5 = 20 अंक

(ग) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरीय प्रश्न–10X2= 20 अंक

पाठ्य विषय :–

- माध्यमोपयोगी लेखन का स्वरूप और प्रमुख प्रकार।
- हिन्दी–माध्यम–लेखन का संक्षिप्त इतिहास।
- रेडियो–नाटक की प्रविधि एवं प्रमुख भेद।
- रंगनाटक, पाठ्य नाटक और रेडिया–नाटक का अंतर।
- टी.वी. नाटक की तकनीक। टेली ड्रामा, टेली फिल्म।
- संचार–माध्यमों विज्ञापनों की भाषा।
- संचार माध्यमों की भाषा।
- हिन्दी के समक्ष जनसंचार और सूचना–प्रौद्योगिकी की चुनौतियाँ।

सप्तम पत्र से सम्बन्धित सहायक पुस्तकें :–

1. रंगमंच – कला और दृष्टि – डॉ० गोविन्द चातक, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. रंग–दर्शन – नेमिचन्द्र जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. रेडियो नाट्य शिल्प – डॉ० सिद्धनाथ कुमार, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
4. रंग–भाषा – डॉ० गिरीश रस्तोगी, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली।
5. मीडिया में कैरियर – पुष्पेन्द्र कुमार आर्य, ग्रंथ अकादमी, नयी दिल्ली।

इस पत्र के लघूत्तरीय प्रश्न पाठ्य विषय से सम्बन्धित होंगें।

अष्टम पत्र – साहित्य–सिद्धांत एवं हिन्दी–आलोचना

इस पत्र का पाठ्य विषय तीन खण्डों में विभाजित रहेगा और सभी तीन खण्डों से एक–एक आलोचनात्मक प्रश्न के उत्तर देने होंगे।

अंक–विभाजन :–

(क) तीन खंडों से तीन आलोचनात्मक प्रश्न –3X20=60अंक

(ख) चार लघूत्तरीय प्रश्न – 4X5= 20 अंक

(ग) दस वस्तुनिष्ठ / अतिलघूत्तरीय प्रश्न–10X2=20 अंक

पाठ्य विषय :—

खण्ड (क) भारतीय साहित्य–सिद्धान्त

- काव्य–लक्षण, काव्य–हेतु, काव्य–प्रयोजन
- रस, अलंकार, रीति और ध्वनि–सिद्धांतों का सामान्य परिचय। काव्य की आत्मा।
- शब्द–शक्ति एवं उसके प्रमुख भेद
- वृत्यनुप्रास, श्लेष, यमक, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, दीपक, अर्थान्तरन्यास, प्रतिवस्तूपमा अलंकारों की परिभाषा, उदाहरण और विवेचना।

खण्ड (ख) पाश्चात्य साहित्य–चिन्तन

- साहित्य के सम्बन्ध में अरस्तू और वर्ड्सवर्थ के विचार।
- प्रमुख सिद्धांत और वाद–अभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, मनोविश्लेषणवाद।
- बिब, प्रतीक, मिथक।

खण्ड (ग) प्रमुख हिन्दी आलोचक

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी और डॉ० रामविलास शर्मा के साहित्य सम्बन्धी विचार।

इस पत्र के लघूत्तरीय प्रश्न पाठ्य विषय से सम्बद्ध होंगे।

स्नातक प्रथम खण्ड
वैकल्पिक या ऐच्छिक/सामान्य हिन्दी

प्रथम पत्र – हिन्दी साहित्य का इतिहास

समय – तीन घंटे पूर्णांक – 100

अंक विभाजन :–

(क) खण्ड (क) से दो आलोचनात्मक प्रश्न–2X20=40 अंक
(ख) खण्ड (ख) से एक प्रश्न –1X20=20 अंक
(ग) चार लघूत्तरीय प्रश्न –4X5= 20 अंक
(घ) वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरीय प्रश्न–10X2=20 अंक

पाठ्य विषय :–

खण्ड (क)

हिन्दी साहित्य के इतिहास में कालविभाजन, नामकरण। आदिकाल, भक्तिकाल (सगुण भक्ति, निर्गुण भक्ति) रीति काल और आधुनिक काल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि।

खण्ड (ख)

काव्य–लक्षण और काव्य–प्रयोजन, अलंकार–वृत्यनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, दीपक, अर्थान्तरन्यास, प्रतिवस्तूपमा और अतिशयोक्ति।

इस पत्र के लघूत्तरीय प्रश्न पाठ्य विषय से सम्बन्धित होंगे।

स्नातक द्वितीय खण्ड

वैकल्पिक या ऐच्छिक/सामान्य हिन्दी

द्वितीय पत्र – काव्य और नाटक

समय – तीन घंटे पूर्णांक – 100

अंक–विभाजन :–

(क) प्रत्येक खण्ड से कम–से–कम एक और कुल तीन आलोचनात्मक प्रश्न के उत्तर–3X20 = 60 अंक

(ख) लघूत्तरीय प्रश्न –4X5 = 20 अंक

(ग) वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरीय प्रश्न –10X2 = 20 अंक

पाठ्य विषय :–

खण्ड (क)

नयी कविता की मुक्त धारा – सं० विद्यानिवास मिश्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।

खण्ड (ख)

ध्रुवस्वामिनी : ले०–जयशंकर प्रसाद

इस पत्र के लघूत्तरीय प्रश्न निर्धारित पाठ्य विषय से ही पूछे जायँगे।

स्नातक तृतीय खण्ड

वैकल्पिक या ऐच्छिक/सामान्य हिन्दी

तृतीय पत्र – उपन्यास और प्रयोजनमूलक हिन्दी

समय – तीन घंटे

पूर्णांक – 100

इस पत्र में दो खंड होंगे। प्रत्येक खंड से कम–से–कम एक और कुल मिलाकर तीन आलोचनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

अंक विभाजन :–

(क) दो खण्डों से तीन आलोचनात्मक प्रश्न–3X20=60 अंक

(ख) अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद –1X20= 20 अंक

(ग) वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरीय प्रश्न –10X2= 20 अंक

पाठ्य विषय :–

खण्ड (क)

सुनीता (उपन्यास) – ले०–जैनेन्द्र

खण्ड (ख)

प्रयोजनमूलक हिन्दी का अभिप्राय, संक्षेपण, प्रारूपण, टिप्पण, पल्लवन।

अनुवाद : स्वरूप एवं प्रक्रिया।

अंग्रेजी के उद्धृत अंश का हिन्दी में अनुवाद।

इस पत्र के लघूत्तरीय प्रश्न निर्धारित पाठ्य विषय पर आधारित होंगे।

स्नातक प्रथम खण्ड

आनुषंगिक / अनुपूरक हिन्दी

प्रथम पत्र – हिन्दी साहित्य का इतिहास

समय – तीन घंटे पूर्णांक – 100

अंक–विभाजन :–

(क) खण्ड (क) से दो आलोचनात्मक प्रश्न–2X20=40 अंक

(ख) खण्ड (ख) से एक प्रश्न – 1X20=20 अंक

(ख) चार लघूत्तरीय प्रश्न – 4X5=20 अंक

(घ) वस्तुनिष्ठ / अतिलघूत्तरीय प्रश्न–10X2=20 अंक

पाठ्य विषय :–

खण्ड (क)

हिन्दी साहित्य के इतिहास में कालविभाजन, नामकरण। आदिकाल, भक्तिकाल (सगुण भक्ति, निर्गुण भक्ति) रीति काल और आधुनिक काल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि।

खण्ड (ख)

काव्य–लक्षण एवं काव्य–प्रयोजन, अलंकार–वृत्यनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, दीपक, अर्थान्तरन्यास, प्रतिवस्तूपमा और अतिशयोक्ति।

इस पत्र के लघूत्तरीय प्रश्न निर्धारित पाठ्य विषय से सम्बन्धित होंगे।

स्नातक द्वितीय खण्ड
आनुषंगिक/अनुपूरक हिन्दी

द्वितीय पत्र – काव्य और नाटक

समय – तीन घंटे

पूर्णांक – 100

अंक–विभाजन :–

(क) प्रत्येक खण्ड से कम–से–कम एक और कुल तीन आलोचनात्मक प्रश्न के उत्तर–3X20 = 60 अंक

(ख) लघूत्तरीय प्रश्न –4X5 = 20 अंक

(ग) वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरीय प्रश्न –10X2 = 20 अंक

पाठ्य – विषय :–

खण्ड (क)

नयी कविता की मुक्त धारा – सं० विद्यानिवास मिश्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।

खण्ड (ख)

ध्रुवस्वामिनी : ले०–जयशंकर प्रसाद

इस पत्र के लघूत्तरीय प्रश्न निर्धारित पाठ्य विषय से ही पूछे जायेंगे।

स्नातक प्रथम खण्ड (कला, वाणिज्य एवं विज्ञान)

अनिवार्य राष्ट्रभाषा हिन्दी पत्र

समय – तीन घंटे पूर्णांक – 100

अंक–विभाजन :–

(क) पाठ्य–पुस्तक से एक आलोचनात्मक प्रश्न – 1X20=20 अंक

(ख) अपठित अंश की व्याख्या – 1X15=15 अंक

(ग) व्यावहारिक हिन्दी दो प्रशन – 2X15=30 अंक

(घ) हिन्दी–रचना दो प्रश्न – 2X7½=15 अंक

(ङ) वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरीय प्रश्न–10X2=20 अंक

पाठ्य–पुस्तक :–

खण्ड (क)

आधुनिक हिन्दी काव्यसरिता – सं० उमेश चन्द्र मिश्र 'शिव', पाठ्यांश–जयशंकर प्रसाद, दिनकर, नागार्जुन और धर्मवीर भारती – कुल चार कवि।

खण्ड (ख)

पठित काव्यांश की व्याख्या

मुख्य आधार ग्रंथ–आधुनिक हिन्दी काव्यसरिता–सं० डॉ० उमेश चन्द्र मिश्र 'शिव'

खण्ड (ग) व्यावहारिक हिन्दी

पाठ्यांश – संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पण, प्रारूपण, कार्यालयीय पत्राचार, अनुवाद और पारिभाषिक शब्दावली।

खण्ड (घ) हिन्दी–रचना

मुहावरे – लोकोक्तियाँ, शब्द–शुद्धि, वाक्य–शुद्धि, पर्याय, विलोम, अनेकार्थी, समश्रुत एवं अनेक शब्दों के लिए एक शब्द।

त्रिवर्षीय स्नातक प्रथम खण्ड
(कला, वाणिज्य, विज्ञान)
अनिवार्य राष्ट्रभाषा हिन्दी
(हिन्दीतर भाषाभाषियों के लिए)

समय – 1.30 घंटे पूर्णांक – 50

अंक–विभाजन :–

(क) पाठ्य–पुस्तक से एक प्रश्न– 1X10 = 10 अंक

(ख) व्यावहारिक हिन्दी से दो प्रश्न–2X10 = 20 अंक

(ग) हिन्दी–रचना से दो प्रश्न – 2X5 = 10 अंक

(घ) वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरीय प्रश्न–5X2 = 10 अंक

पाठ्य–पुस्तक :–

खण्ड (क)

रश्मिरथी – कवि रामधारी सिंह 'दिनकर'

खण्ड (ख) व्यावहारिक हिन्दी

संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पण, प्रारूपण, कार्यालयीय पत्राचार, अनुवाद

खण्ड (ग) हिन्दी रचना

मुहावरे, लोकोक्तियाँ, वाक्यशुद्धि, अनेकार्थी शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द।

स्नातक द्वितीय खण्ड (कला, वाणिज्य, विज्ञान)
अनिवार्य राष्ट्रभाषा हिन्दी–पत्र

समय – तीन घंटे पूर्णांक – 100

वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरीय प्रश्न के अतिरिक्त इस पत्र में तीन खंड होंगे –

अंक–विभाजन :–

(क) निर्धारित पाठ्य–पुस्तक से एक प्रश्न–1X20=20 अंक

(ख) अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद –1X20 = 20 अंक

(ग) व्यावहारिक हिन्दी से दो प्रश्न –2X20 = 40 अंक

(घ) वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरीय प्रश्न–10X2 = 20 अंक

पाठ्य – पुस्तक :–

खण्ड (क)

निबंध – निकुंज – सं० डॉ० रमाकान्त झा

खण्ड (ख)

अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद

खण्ड (ग) व्यावहारिक हिन्दी

कार्यालयीय भाषा, मीडिया की भाषा, संक्षेपण, प्रारूपण, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा, मातृभाषा और लोकभाषा का परिचय। व्यावहारिक हिन्दी की मुख्य समस्याएँ।

स्नातक द्वितीय खण्ड (कला, वाणिज्य, विज्ञान)
अनिवार्य राष्ट्रभाषा हिन्दी पत्र (हिन्दी भाषाभाषियों के लिए)

समय – 1.30 घंटे

पूर्णांक – 50

अंक–विभाजन :–

(क) निर्धारित पाठ्य–पुस्तक से एक प्रश्न–1X10=10 अंक

(ख) व्यावहारिक हिन्दी से दो प्रश्न –2X10 = 20 अंक

(ग) हिन्दी–रचना से दो प्रश्न –2X5 = 10 अंक

(घ) वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरीय प्रश्न –5X2 = 10 अंक

पाठ्य–पुस्तक :–

खण्ड (क)

निर्धारित पाठ्य–पुस्तक – संजीविनी – आर. सी. प्रसाद सिंह, तारा मण्डल, पटना

पाषाणी – आचार्य जानकी बल्लभ शास्त्री, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

पाठ्यांश – गंगावतरण, उर्वशी, पाषाणी।

खण्ड (ख)

राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा, मातृभाषा और लोकभाषा का परिचय। संक्षेपण, प्रारूपण, व्यावहारिक हिन्दी की मुख्य समस्याएँ।

खण्ड (ग)

मुहावरे–लोकोक्तियाँ, श्रुतिसमभिन्नार्थक शब्द, कार्यालयीय पत्राचार, अंग्रेजी शब्दों का हिन्दी अनुवाद, वाक्य–शुद्धि, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द।